Celebration of National Mathematics Day

Workshop on Impact of Mathematics on Scientific Development and Symposium Role of Mathematics in AI & ML

(Department of Mathematics, March 19, 2025)

कार्यक्रम • जीजेयू में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यशाला

गणित ब्रह्मांड की भाषा : प्रो. बिश्नोई

भास्कर न्यूज | हिसार

गणित को अक्सर ब्रह्मांड की भाषा भी कहा जाता है और यह सही भी है। ब्रह्मांड में सबसे छोटे क्वांटम कणों से लेकर विशाल संरचनाओं तक, सब कुछ गणितीय सिद्धांतों का पालन करते हैं। गणित हमेशा से वैज्ञानिक प्रगति का आधार रहा है। यह बात जीजेयू कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने गणित विभाग के सौजन्य से राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित कार्यशाला तथा सिम्पोजिया को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा कि न्यूटन की गति के नियमों से लेकर आइंसटाइन के सापेक्षता सिद्धांत तक, क्रिप्टोग्राफी से लेकर कंप्यूटिंग तक गणित एक मौन शक्ति के रूप में विभिन्न विषयों में खोजों को आगे बढ़ाती है। वैज्ञानिक विकास पर गणित का प्रभाव विषय पर कार्यशाला तथा एआई एवं एमएल में गणित की भूमिका विषय पर हुए सिम्पोजियम में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रो. रशमि भारद्वाज मुख्य वक्ता तथा बीआईटीएस पिलानी के प्रो. बलराम दूबे व चौधरी चरण सिंह विवि, मेरठ के प्रो. एमके शर्मा आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता गणित विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश कुमार शर्मा ने की।

गणित वैज्ञानिक प्रगति का आधार : प्रो. बिश्नोई

- गुजविप्रौवि में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला और सिम्पोजियम का आयोजन
- गणित एक मौन शक्ति के रूप में विभिन्न विषयों में खोजों को बढ़ाती है आगे

जागरण संवाददाता • हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि गणित को अक्सर ब्रह्मांड की भाषा भी कहा जाता है और यह सही भी है। ब्रह्मांड में सबसे छोटे क्वांटम कणों से लेकर विशाल संरचनाओं तक, सब कुछ गणितीय सिद्धांतों का पालन करते हैं। गणित हमेशा से वैज्ञानिक प्रगति का आधार रहा है। प्रो. नरसी राम बिश्नोई विश्वविद्यालय के गणित विभाग की ओर से राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित कार्यशाला तथा सिम्पोजिया को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी की तरफ से प्रायोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि न्यूटन की गति के नियमों से लेकर आइंस्टाइन के सापेक्षता सिद्धांत तक, क्रिप्टोग्राफी से लेकर कंप्यूटिंग तक गणित एक मौन शक्ति के रूप में विभिन्न विषयों में खोजों को आगे बढ़ाती है। सिंपोजियम में नई दिल्ली के गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की प्रो. रश्मि भारद्वाज मुख्य वक्ता तथा पिलानी की बीआइटीएस के प्रो. बलराम दूबे व मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. एमके शर्मा आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुकेश कुमार शर्मा ने की।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के साथ अतिथिगण व प्रतिभागी • पीआरओ

मुख्य वक्ता प्रो. रश्मि भारद्वाज ने गणित की एआइ तथा एमएल लर्निंग में प्रमाणिकता और उसका विज्ञान और तकनीकी की विभिन्न शाखाओं के बारे में जानकारी दी। वक्ता प्रो. बलराम दूबे ने इंपैक्ट आफ मैथमैटिक्स आन साइंटिफिक डेवलपमेंट व गणित के लाइफ में एप्लीकेशन बारे जानकारी दी।

Workshop on
Symposium on